STUDY NOTES · BASIC CONCEPT

जम्मू कश्मीर में पर्यटकों के

लिए QR सिस्टम क्या है?

Defence & Security
26 Apr 2022

क्या है पूरा मामला ?

Jammu and Kashmir में पर्यटकों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रशासन
ने एक नई पहल की है। इसके तहत अब सैलानियों की पहचान और ट्रैकिंग के
लिए QR कोड आधारित सिस्टम लागू किया गया है, जिससे उनकी गतिविधियों
और लोकेशन पर बेहतर निगरानी रखी जा सकेगी।

QR कोड सिस्टम कैसे काम करेगा ?

इस सिस्टम के तहत हर पर्यटक को एक यूनिक QR कोड दिया जाएगा , जिसमें
उसकी बुनियादी जानकारी दर्ज होगी। यात्रा के दौरान विभिन्न चेक -
पॉइंट्स , होटल्स या पर्यटन स्थलों पर इस QR कोड को स्कैन किया जाएगा ,
जिससे प्रशासन को रियल -टाइम जानकारी मिलती रहेगी।

यह फैसला क्यों लिया गया?

हाल के समय में सुरक्षा से जुड़े कुछ चिंताओं को देखते हुए यह कदम
उठाया गया है। सरकार का उद्देश्य है कि किसी भी आपात स्थिति में
पर्यटकों की पहचान और लोकेशन तुरंत पता लगाई जा सके, ताकि समय रहते
मदद पहुंचाई जा सके।

सैलानियों के लिए क्या फायदे हैं?

इस सिस्टम से पर्यटकों को अधिक सुरक्षित माहौल मिलेगा। अगर कोई
पर्यटक रास्ता भटक जाता है या किसी परेशानी में फंसता है, तो QR कोड
के जरिए उसकी जानकारी तुरंत मिल सकेगी , जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन तेज
हो जाएगा।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

क्या कोई चुनौती भी है?

कुछ लोग इसे निजता (Privacy) के नजरिए से देख रहे हैं। हालांकि प्रशासन
का कहना है कि डेटा सुरक्षित रखा जाएगा और इसका इस्तेमाल केवल
सुरक्षा के उद्देश्य से ही किया जाएगा।

आगे क्या संकेत हैं?

यह कदम दिखाता है कि सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ -साथ
सुरक्षा को भी प्राथमिकता दे रही है। अगर यह सिस्टम सफल होता है, तो
इसे अन्य पर्यटन स्थलों पर भी लागू किया जा सकता है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias